भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 2384
गुरूवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में तीर्थ पर्यटन

2384 श्री शुभाशीष खुंटिया:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जगन्नाथ संस्कृति में पुरी के महत्व को देखते हुए इसे विश्व स्तरीय गंतव्य तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) ओडिशा में तीर्थस्थलों के विकास के लिए 'प्रसाद' योजना के तहत कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) मंत्रालय की ओडिशा आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए अवसंरचनात्मक ढांचे और सुख-सुविधाओं में सुधार करने में क्या भूमिका है; और

(घ) ओडिशा के तीर्थ सर्किट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी चल रही योजनाओं के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए अन्य राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयास के भाग के रूप में संवर्धनात्मक कार्यकलापों, कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धनों, मेलों एवं महोत्सवों आदि के माध्यम से ओडिशा सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

प्रशाद योजना के अंतर्गत स्वीकृत/आवंटित निधियों सहित पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री शुभाशीष खुंटिया द्वारा ओडिशा में तीर्थ पर्यटन के संबंध में दिनांक 20.03.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2384 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

ओडिशा में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	जारी राशि (करोड़ रु. में)
पुरी में अवसंरचना विकास	50.00	10.00

ओडिशा में प्रशाद योजना के तहत चिह्नित स्थलों का विवरण:

क्र.सं.	स्थल/परियोजना
1.	चौसठ योगिनी मंदिर, रानीपुर, झरियाल, बलांगीर जिला
2.	कीचिंग, मयूरभंज जिले में माँ किचकेशवरी मंदिर

ओडिशा में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	परिपथ/वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बड़कुल, सतपाड़ा और तंपारा का विकास	70.82

ओडिशा में एसएएससीआई के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)
1.	हीराकुंड का विकास	99.90
2.	सतकोसिया का विकास	99.99

ओडिशा में अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	पुरी रेलवे स्टेशन	6.15

*****